आज कि मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ -------- Date:03-09-14

जिसे पाने के लिए हम लास्ट ६३ जन्मो से तडपते थे, वही ज्ञान-सागर, परमात्मा ने आज हम बच्चों से कहा, मीठे बच्चे - तुम जितना समय एक बाप की याद में रहेंगे उतना समय कमाई ही कमाई है, याद से ही तुम बाबा के समीप आते जायेंगे.

हम सब ब्राह्मण आत्माये यह जरूर चाहती है कि हम अपने प्यारे-प्यारे शिवबाबा के पास रहे. एक होता है स्थूल में मधुबन में रहना और समझना कि हम शिवबाबा के पास है और दूसरा होता है सूक्ष्म में अपनी दिव्य-बुद्धि से बाबा कि याद में समाये रहना. अब यह तो हम सब जान सकते है कि कोनसी बात जरूरी है, सूक्ष्म में दिव्य-बुद्धि से बाबा कि याद में रहना या स्थूल में मधुबन में रहना और समझना कि हम तो बाबा के साथ ही है!

बाबा हमें यही समझाते है कि तुम कभी मुझे इस आँखों से देख नहीं सकते हो लेकिन तुम्हें पुरुषार्थ करना है मुझे जानने का. जो बच्चे मुझे एक्युरेंट जानते है वही बाबा कि याद में सदा रह सकते है और वही सच में अभी ब्राह्मण जीवन में बाबा का संग का अनुभव करते है और परमधाम में भी बाबा के पास उनका स्थान होगा.

बाबा ने आज सारी मुरली में दो मुख्य बातों पर हमारा ध्यान खिचवाया. १. बाबा कि याद का सच्चा-सच्चा चार्ट रखना और २. शिवबाबा के यज्ञ में जो भी कुछ समर्पित करते है उसे बाबा को अर्पण कर रहे है ऐसी भावना से करो तो ही सफल होगा.

बाबा हमें दो बातों का चार्ट रखने को कहते है, एक हे याद का और दूसरा हे कर्मों का. याद से हमारी आत्मा सतोप्रधान-पावन होती जाती है और दूसरा फिर के कर्मों का जिसे हमारी आत्मा में देवी-गुण आते जाते है. लेकिन यह बात बहुत जरूरी है कि हम जो भी चार्ट रखे वह बड़ा सच्चाई-सफाई वाला हो, जैसे कि बाबा ने आज मुरली में एक्जाम्पल दिया कि बाबा आने से पहले हम बच्चे बाबा कि याद में मधुबन में बैठते है तो चेक करो कि सच में हम याद में बैठे हैं या और फिर कई फालतू-व्यर्थ बातों में ही टाइम गँवा देते है. अब वह टाइम अगर हम याद में गिनते है तो फिर उसका कोई फायदा नहीं होता.

बाबा की याद का सच्चाई-सफाई वाला चार्ट हो इस के लिए उसे हर वक्त अपने साथ रखना चाहिए और हर १-३ घंटे उपडेंट करना चाहिए. एक एक्जाम्पल नीचे दिया है.

	तीव्र पुरुषार्थी ब्राह्मण चार्ट		
	बाबा की याद	अच्छे कर्म	साधारण-बुरे कर्म
3 – TO – 6 AM			
6 – TO – 9 AM			
9 – TO – 12 PM			
12 – TO – 3 PM			
3 – TO – 6 PM			
6 – TO – 9 PM			
9PM – TO – 3AM सोते समय			

हर तीन घंटे के बाद, ५ मिनिट निकाल कर इस चार्ट को उपड़ेट करें.

सोते समय रात को अच्छे या बुरे स्वप्न आते है उसे भी लिखे.

आज बाबा ने जो दूसरी बात बताई कि बाबा के यज्ञ के लिए कुछ भी करते है सेवा करते है या फिर धन जमा कर के देते है तो उसे शिवबाबा को अर्पण कर दो. यहाँ कहने का मतलब है कि सच्चे दिल से भावना यह रखो कि शिवबाबा ने मुझे यह सेवा दी है या शिवबाबा के यज्ञ को ही धन दे रहे है तो बाबा कि याद में किया हुआ हर सेवा का कर्म या दिया हुआ धन सफल हो जाता हैं.

ॐ शांति.